सस्त्र (SASTRA) रामानुजन पुरस्कार 2022

वर्ष 2022 के लिये सस्त्र (SASTRA) रामानुजन पुरस्कार यूंकिंग तांग, सहायक प्रोफेसर कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, संयुक्त राज्य अमेरिका को दिया जाएगा।

- सुश्री यूंकिंग की रचनाएँ परिष्कृत तकनीकों का उल्लेखनीय संयोजन प्रदर्शित करती हैं, जिसमें मॉड्यूलर वक्र और **शिमुरा किस्म के अंकगणित एवं ज्यामिति** केंद्रीय भूमिका निभाते हैं, तथा **उनके परिणाम व विधियाँ इस क्षेत्र में भविष्य के अनुसंधान पर प्रभाव डाल सकते हैं।**

प्रमुख बिंदु:

- यह पुरस्कार वर्ष 2005 में **शनमुघा कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान अकादमी (सस्त्र) द्वारा स्थापित किया गया था।**
- श्रीनिवास रामानुजन से प्रभावित होकर **गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 32 वर्ष और उससे कम आयु के व्यक्तियों को** इस पुरस्कार के तहत **10,000 अमेरिकी डॉलर** की नकद राशि प्रदान की जाती है।

श्रीनिवास रामानुजन:

- **परिचय:**
  - रामानुजन का जन्म **22 दिसंबर, 1887 को इरोड गाँव (चेन्नई से 400 किमी. दूर, जो तब मद्रास के** नाम से जाना जाता था) में हुआ था।
  - वर्ष 1913 में उन्होंने **ब्रिटिश गणितज्ञ गॉडफ्रे एच. हार्डी के साथ पत्र-व्यवहार शुरू किया,** जिसके बाद वे ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज चले गए।
  - रामानुजन ने **संख्याओं के विश्लेषणात्मक सिद्धांत** में पर्याप्त योगदान दिया और
  - **दीर्घवृत्तीय कार्यों (Elliptic Functions) पर भी ध्यान केंद्रित किया।**
  - उन्होंने पूर्ण संख्या, **हाइपरज्यामितीय श्रेणी (Hypergeometric Series) और यूलर स्थिरांक (Euler's Constant) के विभाजन पर भी काम किया।**
  - उनके पत्र अंग्रेज़ी और यूरोपीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए थे तथा **वर्ष 1918 में लंदन की रॉयल सोसाइटी के लिये उनका चयन हुआ।**
  - भारत लौटने के बाद लंबी बीमारी के कारण 26 अप्रैल, 1920 को मात्र 32 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।
  - भारत में प्रतिवर्ष महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती (22 दिसंबर) को **राष्ट्रीय गणित दिवस (National Mathematics Day)** के रूप में मनाया जाता है।
- **योगदान:**
  - **सूत्र और समीकरण:**
    - रामानुजन ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवनकाल में लगभग 3,900 परिणामों (समीकरणों और सर्वसमिकाओं) का संकलन किया है। उनके सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यों में **पाई (Pi) की अनंत श्रेणी** शामिल थी।
    - उन्होंने पाई के अंकों की गणना करने के लिये कई सूत्र प्रदान किये जो परंपरागत तरीकों से अलग थे।
  - **खेल सिद्धांत:**
    - उन्होंने कई चुनौतीपूर्ण गणितीय समस्याओं को हल करने के लिये नवीन विचार प्रस्तुत किये, जिन्होंने खेल सिद्धांत के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
    - खेल सिद्धांत में उनका योगदान विशुद्ध रूप से अंतर्ज्ञान पर आधारित है और इसे अभी तक गणित के क्षेत्र में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।
  - **रामानुजन की पुस्तकें:**
    - वर्ष 1976 में जॉर्ज एंड्रयूज ने ट्रिनिटी कॉलेज की लाइब्रेरी में रामानुजन की एक नोटबुक की खोज की थी। बाद में इस नोटबुक को एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया था।
  - **रामानुजन नंबर:**
    - 1729 को रामानुजन संख्या माना जाता है।
    - यह ऐसी सबसे छोटी संख्या है, जिसको दो अलग-अलग तरीके से दो घनों के योग के रूप में लिखा जा सकता है।
      - 1729, 10 और 9 के घनों का योग है- 10 का घन (1000) और 9 का घन (927) है और इन दोनों को जोड़ने से हमें 1729 प्राप्त होता है।

- 1729, 12 और 1 के घनों का योग भी है- 12 का घन (1728) और 1 का घन (1) है तथा इन दोनों को जोड़ने से हमें 1729 प्राप्त होता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न- द मैन हू न्यू इनफनिटिी नामक एक हालिया फलि्म (2016) कसिकी जीवनी पर आधारति है? (2016)

(a) एस. रामानुजन
(b) एस. चंद्रशेखर
(c) एस.एन. बोस
(d) सी.वी. रमन

उत्तर: (a)

- 'द मैन हू न्यू इनफनिटिी' भारतीय गणतिज्ञ एस. रामानुजन (1887-1920) की जीवनी पर आधारति फलि्म है, इन्हें गणतिीय वशि्लेषण के क्षेत्र में अपार योगदान के लयि जाना जाता है। वह रॉयल सोसाइटी के फैलो थे।

अतः वकिल्प (a) सही उत्तर है।

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sastra-ramanujan-prize-2022